विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 32 अंक: 3	जयपुर 1 अगस्त, 2017	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य:2.50 पृष्ठ-12

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 8764425593, 9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

दिव्यांगों पर जीएसटी की मार

तीन से 15 हजार तक महंगे हो गए उपकरण

जयपुर कासं)। इशारों के सहारे अपनी जिंदगी जी रहे दिव्यांग भी जीएसटी की मार से दुखी हैं। सुनने की क्षमता वाले कॉक्लियर इम्प्लांट पर 5 फीसदी और छोटे उपकरणों जैसे कॉयल, मैग्नेट, वायरलेस डिवाइस, साउंड प्रोसेसर पर 12 से 28 फीसदी जीएसटी लगाया गया है। इस कारण यह उपकरण 3 से 15 हजार रु. तक महंगे हो गए हैं। पहले कॉक्लियर इम्प्लांट व असेसरीज पर कोई टैक्स नहीं था। अब 5.80 लाख रु. का कॉक्लियर इम्प्लांट 6 लाख 9 हजार रु. तथा 13 लाख रु. वाला 13 लाख 65 हजार रु. का हो गया है।

मूक-बधिर 5 साल की माहिका की मां रीमा खंडेलवाल का कहना है कि बड़ी मुश्किल से कॉक्लियर इम्प्लांट लगाने के बाद बेटी सुनने व बोलने लगी है। बैटरी व कवर असेसरीज पर 28 फीसदी जीएसटी लगने से अब इन्हें खरीदना भारी पड़ रहा है। यही पीड़ा राज्य में करीब 800 से ज्यादा मूक-बधिर बच्चों के साथ है।

क्या है कॉक्लियर इम्प्लांट

यह उपकरण आवाज को सीधा दिमाग तक पहुंचाता है। जो व्यक्ति सुन नहीं सकते, वे इसके जरिए आसानी से

सुनने लगते हैं। कॉक्लियर इम्प्लांट में डिस्क के आकार का करीब एक इंच व्यास का ट्रांसमीटर लगाया जाता है। माइक्रोफोन और बैट्री तक तार लगा रहता है, जो सुनने में मदद करता है।

छह माह से दो साल की थैरेपी

कॉक्लियर इम्प्लांट लगने के बाद 6 माह से दो साल की थैरेपी के बाद बच्चे बोलना शुरू कर देते हैं। इसके लिए मैपिंग, ऑडियो विजुअल थैरेपी दी जाती है। दो से तीन साल की उम्र में इम्प्लांट होने पर 6 माह में बच्चा सामान्य हो जाता है। 5 साल की उम्र के बाद सामान्य होने में दो साल तक लगते हैं।

मांग उठाई : हियरिंग एड की तरह टैक्स हटे

एसएमएस अस्पताल के कॉक्लियर इम्प्लांट विशेषज्ञ डॉ.मोहनीश ग्रोवर व आशा किरण स्पीच एंड हियरिंग सेंटर की निदेशक रीटा पीपलानी ने बताया कि जीएसटी लगने के बाद एसेसरिज महंगी होने से परिजन इन्हें खरीद नहीं पा रहे हैं। केन्द्र सरकार को हियरिंग एड (सुनने की मशीन) की तरह कॉक्लियर इम्प्लांट व असेसरीज पर लगाए गए जीएसटी को हटाना चाहिए।

2018 होगा युद्ध विकलांग वर्ष

नई दिल्ली (विमं डेस्क)। सेना प्रमुख बिपिन रावत ने विकलांग हुए सैनिकों से कहा कि वे नए कौशल सीखना जारी रखें ताकि वे अपने पैरों पर खड़े हो सकें और सम्मान तथा वित्तीय रूप से आत्मनिर्भरता का जीवन जी सकें। रक्षा विभाग के अनुसार, दिल्ली के श्वार वुंडेड फाउंडेशन की ओर से सैन्य बल मेडिकल कॉलेज में आयोजित विकलांग सैनिकों की रैली में रावत ने 2018 को युद्ध विकलांगों का वर्ष घोषित किया। रैली में व्हीलचेयर में बैठे करीब 150 विकलांग सैनिकों ने हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री ने पैरा एथलीट सुंदर को बधाई दी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप-2017 की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने पर प्रदेश के पैरा एथलीट सुंदर गुर्जर को बधाई दी है। श्रीमती राजे ने अपने संदेश में कहा कि सुंदर गुर्जर ने खेल मैदान में जीवटता और जज्बे से बेजोड़ प्रदर्शन कर राजस्थान का ही नहीं देश का भी नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से प्रदेश के अन्य खिलाड़ियों को भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी।

मानसिक रोगियों को आधार कार्ड से जोड़ें

जोधपुर। पुलिस आयुक्त अशोक राठौड़ ने कहा कि मानसिक रूप से बीमार लोगों को आधार कार्ड से जोड़ा जाना चाहिए, ताकि उनकी पहचान कर समय पर उनका उपचार किया जा सके। राठौड़ यहां जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और डा. एस.एन. मेडिकल कालेज के मनोरोग विभाग की ओर से मनोरोगियों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में बोल रहे थे। शिविर में बोलते हुए जस्टिस अतुल कुमार चटर्जी ने कहा कि समाज को ऐसे व्यक्तियों का तिरस्कार नहीं करना चाहिए बल्कि उन्हें मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर रवि कुमार सुरपुर, मेडिकल प्राचार्य डॉ. ए.एल.भाट, मनोरोग विभाग के अध्यक्ष डॉ. जी.डी. कूलवाल, जस्टिस अमर वर्मा, मन संस्थान के दीपेन व्यास ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ब्रोशर का विमोचन किया गया। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वमिता सिंह ने अतिथियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयराम रावतानी ने किया। **-डॉ. देवीलाल पंवार**

जेडीए ने रेलवे को बैटरी चालित वाहन उपलब्ध कराया

वृद्धजन व नि:शक्तजनों को मिलेगी सुविधा

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्तवैभव गालरिया ने जेडीए परिसर में अपर मण्डल रेल प्रबन्धक नार्थ वेस्टन रेलवे के हरीश चन्द्र मीणा को बैटरी चालित वाहन (गोल्फ कोर्ट) की चाबी सुपुर्द की।

गालरिया ने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार शहरों के समन्वित विकास के लिए प्रयासरत है। इसी दिशा में जयपुर विकास प्राधिकरण भी जयपुर के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न एजेंसियों एवं विभागों के साथ कार्य कर रहा है जिसमें रेलवे प्रमुख है। उन्होंने बताया कि इस छह सीटर बैटरी चालित वाहन से अब जयपुर जंक्शन पर वृद्धजनों एवं निशक्तजनों को काफी सुविधा होगी। इस वाहन को चलाने के लिए प्राधिकरण द्वारा अस्थाई रूप से दो वाहन चालक भी छह माह के लिए रेलवे को उपलब्ध करवाए गये हैं इस अवधि के पश्चात् वाहन चालक की व्यवस्था रेलवे द्वारा स्वयं के स्तर पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि वाहन की वारंटी अवधि के पश्चात् इसके संधारण एवं रख-रखाव का दायित्व रेलवे द्वारा ही वहन किया जाएगा।

आयुक्त ने बताया कि स्मार्ट सिटी की ओर अग्रसर होते शहर के जयपुर जंक्शन को स्मार्ट बनाने के लिए जेडीए द्वारा पांच इन्ट्रेक्टिव इन्फोरमेशन कियोस्क, गांधी नगर, दुर्गापुरा तथा जगतपुरा रेलवे स्टेशन पर एक-एक इन्ट्रेक्टिव इन्फोरमेशन कियोस्क स्थापित करवाया जा रहा है। इन इन्फोरमेशन कियोस्कों के द्वारा जयपुर में आने वाले यात्री एवं पर्यटकों को शहर की महत्वपूर्ण जानकारियां, होटल व रेलवे टिकट बुकिंग की सुविधा, पर्यटन स्थलों की विस्तृत जानकारी इत्यादि उपलब्ध हो सकेंगी।

विचार मंच

जिस तरह एक चित्रकार और मूर्तिकार अपनी चित्रकला और मूर्तिकला की गुणवत्ता के लिए जिम्मेदार है ठीक उसी तरह आपकी जिंदगी, आपकी जिम्मेदारी है। **-अज्ञात**

विरोधाभासों से जीवन आहत

विरोधाभास एक ऐतिहासिक तथ्य है। हर युग का निर्माण पूर्व के युग के विरोधाभासों का परिणाम ही है। परिवर्तनशील समाज का सूचक विरोधाभास इसलिये है कि समाज में हितों के टकराव का समाधान प्रकट होता है। आजादी के बाद विरोधाभासों का अपना ही इतिहास रहा है। सात दशक में देश में हितों के टकराव की प्रक्रिया इतनी सघन नहीं रही, जितनी गत कुछ वर्षों में हुई है। विरोधाभासों की परिकाष्ठा विघटनकारी अधिक और परिवर्तनकारी नगण्य होती है। पूर्व में विरोधाभासों का स्वरूप इतना भयावह नहीं रहा है, जितना अभी है। अन्तरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्कूलों पर पाकिस्तान की गोलाबारी की घटना भयावह है। 250 से अधिक विद्यार्थियों की जान बचाने का काम सराहनीय है, परन्तु लगभग हर दिन हमारे सैनिक मारे जाते हैं और लगता है कि ऐसी घटना एक स्वीकार्य कृत्य बन गया है। धार्मिक यात्री आतंकवाद के शिकार बनते है। हम ऐसी घटनाओं पर क्षणिक संवेदना प्रकट करते हैं और ये घटनायें थमने का नाम नही लेती। सड़कें असुरक्षित हैं। टूटी हुई सड़कों पर खड्डे, जानवर, गन्दगी, अनियन्त्रित वाहन, अराजक चालक देश में रोजाना सैंकड़ों नागरिकों की जीवन लीला समाप्त करते हैं। सड़क के नियम ताक पर रहते हैं। प्राय: उत्तरदायी कर्मी तमाशबीन दिखाई देते हैं। प्रभावशाली रसूख वाले लोग बच निकलते हैं। एक सुचारू व्यवस्था क्यों प्रतिस्थापित नहीं की जा सकती। पारदर्शिता रखते हुये, समान व्यवहार के प्रतिमान स्थापित करना एक अच्छी नागरिकता की ओर सराहनीय पहल होगी।

बलात्कार एक सामान्य प्रवृति बन चुकी है। अबोध बालिकाओं का बलात्कार एक हीन कृत्य है क्योंकि वे प्रतिरोध करने में सक्षम नहीं होती और प्रलोभन के पीछे बलात्कारी की मनसा को भाप नहीं पाती। बलात्कार की घटनाओं की गिनती करना, हिसाब रखना भी कठिन हो गया है। अपराधी पकड़े जाते हैं, दण्डित भी होते हैं, परन्तु घटनाओं में बढ़ावा हो रहा है। ऐसा क्यों। शासन को इस तथ्य का संज्ञान लेना होगा। गरीब बच्चे बलात्कार के शिकार बहुत अधिक हुए हैं। किसानों द्वारा आत्महत्या थमने का नाम नही लेती। हजारों की संख्या में आत्महत्यायें कुछ गत वर्षो में घटित हुई है। कुछ प्रदेशों में किसान आत्महत्या नहीं कर रहे हैं और कुछ प्रदेशों में किसानों द्वारा आत्महत्यायें बढ़ती जा रही हैं। वर्तमान में निर्धन, श्रमिक, किसान, ग्रामीण, बेरोजगार, बीमार, असहाय वृद्ध आदि पर संवाद संवेदना लुप्तप्राय: है। विचारणीय है कि आज हम कहां खड़े हैं। इस प्रश्न पर गहन मंथन की आवश्यकता है। यदि दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं पर अमानवीय अपराधिक अत्याचार होते रहेंगे तो हम बिहार के बेलची कांड को कभी भुला नहीं पायेंगे। उत्तर प्रदेश और गुजरात में दलितों के साथ अति अमानवीय व्यवहार हमारे प्रजातन्त्र के लिये एक चुनौती है।

अनेकों योजनाओं के बाद भी भारत में 1.21 करोड़ दिव्यांग अशिक्षित हैं

आखिर क्यों?

(विमं डेस्क)। दिव्यांगों की मदद के लिए सरकार भले की कई योजना चलाने का दावा करती है, लेकिन इन योजनाओं का लाभ उन तक कितना पहुंच रहा है उसका कोई आंकड़ा नहीं है। सरकारी दस्तावेजों में केंद्र सरकार द्वारा दिसंबर, 2015 में विकलांगों के लिए एक्सेसिबल इंडिया अभियान शुरू करने से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। इसके बाद कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि सिर्फ शब्द बदलने से विकलांगों के साथ होने वाला भेदभाव खत्म नहीं होने वाला। साथ ही सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री से उन गतिरोधों को दूर करने की भी अपील की थी। जिनकी वजह से दिव्यांग देश की आर्थिक, सामाजिक एवं राजनीतिक प्रगति में सहभागिता नहीं कर पाते।

देश में विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण एवं पूर्ण भागीदारी) अधिनियम के पारित हुए 22 वर्ष हो चुके हैं, लेकिन शिक्षा और रोजगार के अवसर की बात करें तो इन 22 वर्षों में देश में विकलांगों या दिव्यांगों की आज स्थिति क्या है।

जनगणना 2011 के अनुसार देश की 45 फीसदी विकलांग आबादी अशिक्षित है। जबकि पूरी आबादी की बात की जाए तो अशिक्षितों का प्रतिशत 26 है। दिव्यांगों में भी जो शिक्षित हैं। उनमें 59 फीसदी 10वीं पास हैं, जबकि देश की कुल आबादी का 67 फीसदी 10वीं तक शिक्षित है।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत सभी को एक समान शिक्षा मुहैया कराने का वादा तो किया गया है। बावजूद इसके शिक्षा व्यवस्था से बाहर रहने वाली आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा विकलांग बच्चों का है। 6-13 आयुवर्ग के विकलांग बच्चों की 28 फीसदी आबादी स्कूल से बाहर है। विकलांगों के बीच भी विशेषीकृत करें तो ऐसे बच्चे जिनके एक से अधिक अंग अपंग हैं, उनकी 44 फीसदी आबादी शिक्षा से वंचित है। जबकि मानसिक रूप से अपंग 36 फीसदी बच्चे और बोलने में अक्षम 35 फीसदी बच्चे शिक्षा से वंचित हैं।

उदाहरण के लिए एक्सेसिबल इंडिया कैंपेन में लक्ष्य रखा गया है कि जुलाई, 2018 तक राष्ट्रीय राजधानी और राज्य की राजधानियों में 50 फीसदी सरकारी इमारतों को विकलांगों के अनुकूल बनाया जाएगा। दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को लेकर यह विवाद बना हुआ है कि उनके लिए विशेष रूप से उनके अनुकूल विद्यालय विकसित किए जाएं या उन्हें अन्य सामान्य विद्यालयों में ही शिक्षा दी जाए। लेकिन इसे लेकर भी भारत सरकार के पास कोई स्पष्ट नीति नहीं है। जहां समाज कल्याण एवं अधिकारिता मंत्रालय विकलांग बच्चों के लिए अलग से स्कूल चलाता है, वहीं मानव संसाधन विकास मंत्रालय सामान्य विद्यालयों में ही विकलांग बच्चों को भी शिक्षा देने की वकालत करता है।

दूसरा बड़ा विवाद खड़ा होता है दिव्यांगों की उच्च शिक्षा में विषय चयन को लेकर। अधिकतर मामलों में उच्च शिक्षा में विकलांग विद्यार्थियों को उनकी मर्जी के विषय नहीं मिल पाते। हाल ही में दो दृष्टिहीन विद्यार्थियों को मर्जी का विषय चुनने के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ी। कृतिका पुरोहित ने फीजियोथेरेपी में अध्ययन हासिल करने के लिए बंबई उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की, जबकि रेशमा दिलीप ने केरल उच्च न्यायालय से माध्यमिक के बाद विज्ञान विषय देने की गुहार लगाई।

जेवियर रिसोर्स सेंटर फॉर विजुअली चैलेंज्ड की प्रोजेक्ट कंसल्टेंट नेहा त्रिवेदी कहती हैं, प्राथमिक दिक्कत तो यह है कि चूंकि शिक्षा केंद्र और राज्य दोनों का विषय है, इसलिए कोई समेकित दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए कोई केंद्रीय संस्थान नहीं है।

छत्तीसगढ़ में दिव्यांग छात्रवृत्ति की नई दरें घोषित

करीब 34 हजार दिव्यांग स्टूडेंट्स को होगा फायदा, समाज कल्याण विभाग ने जारी किया आदेश

राज्य निर्माण के बाद पहली बार नई दरें

रायपुर (विमं डेस्क)। मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के आदेश पर राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना जारी कर दी है। इसमें राज्य और केंद्र की छात्रवृत्ति की नई दरें घोषित की गई हैं। प्रदेश के 34 हजार दिव्यांग स्टूडेंट्स को इसका फायदा मिलेगा।

पहली से बारहवीं तक के नियमित स्टूडेंट्स को होगा फायदा

छत्तीसगढ़ सरकार की दिव्यांग छात्रवृत्ति पहली क्लास से बारहवीं तक के नियमित स्टूडेंट्स को मिलेगी। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के करीब 16 साल बाद पहली बार नई दरें तय की गई हैं। केंद्रीय दिव्यांगजन छात्रवृत्ति के तहत प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों को दी जाएगी, जबकि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 11वीं और 12वीं कक्षा के दिव्यांग विद्यार्थियों को सभी पोस्ट मैट्रिक स्तर के पाठ्यक्रमों में मिलेगी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) सहित पॉलिटेक्निक में तीन साल के डिप्लोमा पाठ्यक्रम, चिकित्सा, तकनीकी शिक्षा के स्नातक पाठ्यक्रम, स्नातक स्तर के व्यासायिक पाठ्यक्रम, कला, वाणिज्य और विज्ञान के नियमित दिव्यांग विद्यार्थियों को भी पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति की नई दरों के निर्धारण पर खुशी जताई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। समाज कल्याण विभाग के सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि समाज कल्याण

विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है। इसके अनुसार छत्तीसगढ़ निवासी 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले विद्यार्थी, जो विगत परीक्षा में उत्तीर्ण हो चुके हों, उन्हें इन छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ मिलेगा।

प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदक के अभिभावक की अधिकतम सालाना आमदनी दो लाख रूपए और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदक के अभिभावक की अधिकतम सालाना आमदनी ढाई लाख रुपए होगी। पूर्व माध्यमिक स्तर की छात्रवृत्ति के लिए कोई आमदनी सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

फिलहाल दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए राज्य शासन द्वारा संचालित छात्रवृत्ति योजना में प्राथमिक स्तर पर पहली से पांचवीं तक 100 रूपए छात्रवृत्ति और 50 रूपए संधारण भत्ता मिलाकर कुल 150 रूपए हर महीने दिए जाएंगे। पूर्व माध्यमिक स्तर पर क्लास 6 से 8वीं तक 120 रूपए की छात्रवृत्ति और 50 रूपए संधारण भत्ता मिलाकर 170 रूपए मासिक दिए जाएंगे।

छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन

छात्रवृत्ति के लिए छत्तीसगढ़ सरकार की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसमें विद्यार्थियों को एक आईडी मिलेगी, जो पूरे शैक्षणिक अवधि के लिए मान्य होगी। आवेदन का हर साल नवीनीकरण किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाने की स्थिति में आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिव्यांग विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक संस्था में ऑफलाइन आवेदन दे सकते हैं। संस्था प्रमुख प्रधान अध्यापक या प्राचार्य ऑफलाइन आवेदनों की ऑनलाइन इंट्री करेंगे।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्डा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

निर्मल विवेक स्पेशल स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण

डिसएबिलिटी अवेयरनेस डे मनाया

जयपुर (कासं)। शहर के प्रतिष्ठित सामान्य स्कूल जयपुरिया विद्यालय के लगभग 40 से 50 बच्चों ने श्री निर्मल विवेक स्पेशल स्कूल संस्था का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण सामान्य बच्चों में विशेष बच्चों को लेकर जो भ्रामक विचार है उन्हें दूर करने में सहायता मिलती है।

सामान्य बच्चे इन विशेष बच्चों के साथ विभिन्न क्रियाओं में भाग लेते हैं और उन्हें करीब से काम करते हुए देखते हैं तो कई भ्रांतियाँ स्वत: ही दूर हो जाती है। इस प्रकार के कार्यक्रम डिसएबिलिटी अवेयरनेस डे के अन्तर्गत हर वर्ष अलग-अलग विद्यालय के बच्चों एवं उनके स्टॉफ के साथ आयोजित किये जाते हैं। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने स्कूल परिसर एवं विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। संस्था की कार्यप्रणाली एवं यहाँ के छात्र-छात्राओं से रूबरू हुए। जयपुरिया स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय में चल रहे 'समर्थ' वोकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर की विजिट की तथा 'समर्थ' द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों जैसे- पेपर बैग्स, लिफाफे, स्क्रेपबुक, डायरियाँ एवं राखियाँ आदि को देखा खरीददारी की। इसके बाद श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों ने गायन एवं नृत्य की मनभावन प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत की।

दिव्यांग बड़े भाई को पीठ में उठा पहुंचाता था कोचिंग

अब बसंत एनआइटी से करेगा इंजीनियरिंग

(विमं डेस्क)। ऐसा कम ही सुनने को मिलता है कि छोटा भाई पहले बड़े भाई को आगे बढ़ाता है और फिर खुद की राह पकड़ता है। बिहार के समस्तीपुर के निकट परोरिया गांव निवासी छात्र बसंत कुमार ने इस वर्ष देश के श्रेष्ठ तीन एनआइटी में से एक एनआइटी वारंगल में प्रवेश प्राप्त किया। बसंत ने जेईई मेंस में ओबीसी वर्ग में 2494 रैंक हासिल की और इलेक्ट्रीकल एंड इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग में एडमिशन लिया है। बसंत की यह सफलता महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि इससे पहले दो साल तक अपने बड़े भाई दिव्यांग कृष्ण कुमार की दिन-रात सेवा करते हुए उसे एनआइटी अगरतला में प्रवेश दिलवाया। बसंत चलने में असमर्थ दिव्यांग कृष्ण को अपनी पीठ पर रोज उठाकर कोचिंग लाता था और घर पर भी हर कार्य में मदद करता था। पढ़ाई के साथ-साथ दिव्यांग बड़े भाई को संभालने का जिम्मा उठाता था।

इस कारण स्वयं की तैयारी ठीक से नहीं हो सकी और गत वर्ष जेइइ मेन में उसका रैंक बहुत पीछे चला गया। बेहतर कॉलेज नहीं मिल सका। इस कारण बसंत को फिर से तैयारी करनी पड़ी। बसंत कुमार की इस सफलता के बाद अब छोटा भाई प्रियतम भी प्रेरित हुआ है और कोटा में मेडिकल की कोचिंग कर रहा है। बिहार के समस्तीपुर जिले के परोरिया गांव में 400 परिवार रहते हैं। गांव के किसान मदन पंडित करीब पांच बीघा जमीन की खेती पर आश्रित हैं। मदन पंडित के छह पुत्र हैं। दो बड़े पुत्र श्रवण व राजेश मुंबई में गैराज में काम करते हैं। इसके बाद तीसरे भाई राजीव पटना में रहकर नौकरी की तलाश में है। कृष्ण और

बसंत ने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा में इंजीनियरिंग की कोचिंग की और अब एनआइटी में पढ़ाई कर रहे हैं।

पापा ने कहा वापस आओ

बसंत ने बताया कि जब मैं और कृष्ण दोनों पढ़ाई कर रहे थे, तो एक साल परीक्षा में अच्छी रैंक नहीं आने के बाद पापा ने आर्थिक तंगी के चलते वापस गांव आने के लिए कह दिया। हमने फैसला भी कर लिया था, लेकिन तब एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के शिक्षक आगे आये। इस बारे में कोचिंग प्रबंधन ने दोनों भाइयों को फीस में 75 प्रतिशत स्कॉलरशिप दे दी। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक नवीन माहेश्वरी कहते हैं, ऐसी प्रतिभाओं पर हमें गर्व है। बड़े भाई कृष्ण को गत वर्ष कंधे पर लाकर पढ़ाया, उसे एनआइटी तक पहुंचाया। इस वर्ष खुद सफल होकर एनआइटी में प्रवेश प्राप्त किया। इस तरह का जज्बा दूसरे विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है।

युवाओं के लिए नये रास्ते खोजूंगा

बसंत ने बताया कि एक छोटे से गांव से निकलकर कृष्ण और मेरे सपने पूरे हुए। अब छोटा भाई प्रियतम पढ़ रहा है। मैं चाहता हूं कि संसाधनों के अभाव में कोई पीछे नहीं रहे। मैं इंजीनियरिंग करने के बाद युवाओं के लिए नये रास्ते खोजूंगा। गांव-गांव तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिले, इसके लिए प्रयास करूंगा।

ऐश्वर्या के चित्रों को सराहा

ग्वालियर। वेलकम मानसून में अम्ब्रेला चित्रकला प्रतियोगिता में दिव्यांग ऐश्वर्या अग्रवाल ने भी आकर्षक रंग अम्ब्रेला पर बिखेरे। ऐश्वर्या ने अम्ब्रेला को आकर्षक रंगों से रंगा, जिसे सभी ने सराहा। फाइन आर्टस कालेज की छात्रा ऐश्वर्या ने बताया कि उन्हें रंगों से प्यार है।

विकलांग व्यक्ति को आयकर कानून के अंतर्गत छूट

विकलांग व्यक्ति को आयकर के प्रावधानों के अंतर्गत कितनी छूट मिलती है यह विकलांगता के प्रतिशत पर निर्भर करता है। अगर व्यक्ति 80 फीसद के कम विकलांग है तो उसे 75,000 तक की छूट मिलती है। वहीं अगर विकलांगता 80 फीसद से ऊपर है तो यह छूट 1 लाख 25 हजार होती है। वहीं दूसरी स्थिति में अगर विकलांग व्यक्ति किसी पर आश्रित है तो यह छूट उस व्यक्ति को मिलती है जो कि विकलांग व्यक्ति का फैमिली मेंबर (देखरेख करने वाला) हो सकता है। इसमें उसके माता-पिता, बीबी या फिर भाई-बहन हो सकते हैं।

आयकर भारत INCOMETAX INDIA

विशिष्ट दिव्यांगजन पहचान पत्र

(unique Disability identification card UDID)

वेबसाइट शुरू, अब कर सकते हैं पंजीकरण

UDID कार्ड यानि विकलांग विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र के लिए अब आप आवेदन कर सकते हैं आवेदन फॉर्म भर कर पोस्ट करके या ऑनलाइन दोनों तरह से किया जा सकता हैं आवेदन के लिए -http://www-swavlambancard-gov-in/pwd/application वेबसाइट ओपन करें।

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा द्विवार्षिक 100/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

जम्मू के दिव्यांग उत्तम भारद्वाज पैरों से बनाते हैं खूबसूरत पेंटिंग्स

जम्मू (विमं डेस्क)। कहते हैं जहां चाह वहां राह होती है। ऐसा ही कुछ जम्मू कश्मीर के रहने वाले उत्तम भारद्वाज के साथ हैं। उत्तम हाथों से

विकलांग या मोदी के शब्दों में कहें तो दिव्यांग हैं। उन्हें प्रारंभ से ही पेंटिंग बनाने का शौक है।

उत्तम ने बताया कि वे जन्म से ही पोलियो ग्रस्त हैं और पिछले 27 सालों से पेंटिंग्स बनाते आ रहे हैं। जम्मू निवासी उत्तम का जय दुर्गा आर्ट के नाम से छोटा सा स्टूडियो शाप है और उन्होंने विभिन्न विषयों सहित देवी देवताओं की पेंटिंग्स बनाई हैं और वे अभी तक सैकड़ों पेंटिंग्स बना चुके है।

उन्होंने अपने इस शौक को पूरा करने के हाथों की निशक्तता को कभी बाधा नहीं बनने दिया और आज वे देश के शानदार फूट आर्टिस्ट हैं।

पीएम ने अपनी मन की बात में विकलांगों के सम्मान में दिव्यांग शब्द गढ़ते हुए कहा था कि ईश्वर जब उनमें कोई कमी देता है तो उनको विलक्षण प्रतिभा भी देता है।

उत्तम में ये विलक्षण प्रतिभा चित्रकारी के रूप में समाई है। उत्तम चाहते हैं कि उनकी पेंटिग देश के रेल्वे स्टेशनों पर प्रदर्शित की जाय इसके लिए रेल मंत्री सुरेश प्रभु से भी सोशल मीडिया के ज़रिए अपील की जा रही है। उत्तम भारद्वाज का मोबाइल नम्बर है- 9419378631

चालीस वर्षीय उत्तम भारद्वाज ने स्वच्छ भारत मिशन और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को ध्यान में रखते हुए मोदी पर केंद्रित कुछ पेंटिंग्स भी बनाई हैं।

ये हैं भावना, कुदरत ने छीना हाथ तो पैरों से करने लगी सारे काम

कोंडागांव (विमं डेस्क)। कहते हैं, हौसला बुलंद हो तो सब कुछ आसान हो जाता है। ऐसा ही फरसगांव में अपने एक रिश्तेदार के यहां रहकर पढ़ाई करने आई भावना साहू ने कर दिखाया है। जन्म से ही विकलांग होने के कारण उसे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा, पर उसने हार नहीं मानी। परेशानियों से लड़ते हुए उसने अपनी पढ़ाई जारी रखी। अब वह कक्षा 6 में पहुंच गई है। फरसगांव के सरस्वती शिशु मंदिर की छात्रा भावना के माता पिता गरीब हैं। गरीब परिवार से होने के कारण भावना का इलाज समय रहते नहीं हो पाया। उसके दोनों हाथों ने काम करना पूरी तरह से ही बंद कर दिया। भावना ने अपनी इस कमजोरी को कभी अपनी पढ़ाई में बाधा नहीं बनने दिया। भावना ने बताया कि बड़े होकर वह डॉक्टर बनकर अपने जैसों की सेवा करना चाहती है। जब कुदरत ने हाथ में मजबूती नहीं दी, तो उसने अपने पैरों को अपना हाथ बना लिया। वह अब इन्हीं के सहारे अपने दैनिक जीवन के हर कार्य करने के साथ ही पैरों के सहारे ही पढ़ने-लिखने के साथ भोजन भी करती है। भावना के माता पिता कुली मजदूरी कर दो वक्त का भोजन जुटा पाते हैं। ऐसे में तीन बच्चों का पालन-पोषण, उन्हें अच्छी तालीम दिला पाना उनके वश की बात नहीं थी। भावना के पढ़ने-लिखने की ललक को देखते हुए फरसगांव में रहने वाली बुआ भावना को अपने पास ले आई और उसका दाखिला नगर के अच्छे स्कूल में करवा दिया।

पालनहारों के भामाशाह, आधार एवं प्रमाण पत्र नवीन पोर्टल पर होंगे अपडेट

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पालनहार योजना कि अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष के लाभ ले रहे पालनहारों को भामाशाह, आधार कार्ड नम्बर और बच्चों का शैक्षणिक वर्ष 2017-18 का आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण एवं विद्यालय में अध्ययन प्रमाण पत्र पालनहार योजना के नवीन एसएसओ पोर्टल पर अपडेट किया जायेगा।

विभाग के निदेशक डॉ. समित शर्मा ने बताया कि पालनहार अपने नजदीकी ई-मिल केन्द्र पर जाकर 10 अगस्त, 2017 तक उक्त दस्तावेज अपडेट कराया जाना सुनिश्चित करावें जिससे पालनहार योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि का भुगतान समय पर मिल सकें।

डॉ. शर्मा ने बताया कि जिन पालनहारों द्वारा बच्चे का शैक्षणिक वर्ष 2016-17 के अध्ययन प्रमाण पत्र विभाग के जिला कार्यालय में जमा नहीं करवाया गया है वे 31 जुलाई, 2017 तक जमा करवायें जिससे योजना में देय राशि का भुगतान किया जा सके। निदेशक ने बताया कि बच्चे का आंगनबाड़ी केन्द्र पर पंजीकरण व विद्यालय में अध्ययन प्रमाण पत्र का प्रारूप ई-मित्र व विभाग के जिला कार्यालय एवं विभाग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है। इसी प्रकार शैक्षणिक वर्ष 2017-18 का अध्ययन प्रमाण पत्र एवं जन्म तिथि के अंतर को सही जन्म तिथि संशोधित कर सम्बन्धित ई-मित्र केन्द्र पर जाकर अपडेट किया जा सकता है।

बीओबी का 110वां स्थापना दिवस

जयपुर (कासं)। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपने 110वें स्थापना दिवस के अवसर पर जयपुर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया। बैंक के जयपुर अंचल के महाप्रबंधक नवीन चंद्र उप्रेती ने हाइजीन हेल्थ एंड हैप्पीनेस थीम पर आयोजित रैली को रवाना किया। हैल्थ चेक अप कैंप और रक्तदान शिविर भी आयोजित किए गए। जयपुर क्षेत्र के डीजीएम पीवी राठी, अंचल के डीजीएम संदीप भटनागर भी मौजूद थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग से मारवाड़ी मंच बांटेगा वस्त्र

बैंक ऑफ बड़ौदा के 110वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बैंककर्मियों के सहयोग से करीब 600 गरीब परिवारों को वस्त्र बांटे जाएंगे। बैंक के जयपुर अंचल के महाप्रबंधक नवीनचंद्र उप्रेती ने वस्त्रों से भरे 16 कार्टून अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच की जयपुर सेंट्रल इकाई के पदाधिकारियों को सौंपे। महाप्रबंधक नवीन चंद्र उप्रेती ने बताया कि मारवाड़ी मंच बैंक के तत्वावधान में इन वस्त्रों को शहर की कच्ची बस्तियों में वितरित करेगा।

सार्वजनिक स्थानों पर दिव्यांगों की सुविधा का रखेंगे ख्याल

उदयपुर (वि)। नगर निगम उदयपुर, स्मार्ट सिटी लिमिटेड और एनसीपीइडी ने शहर के दिव्यांगों के लिए बैठक की। बैठक में तय सार्वजनिक और पर्यटन स्थानों की सुगमता अंकित करने के बारे में बताया। इसके तहत नगर निगम उदयपुर, सहेलियों की बाड़ी, रानी रोड़, फतहसागर, नगर निगम के चयनित राजकीय विद्यालय और एमबी अस्पताल को अंकेक्षण के लिए चयनित किया गया। बैठक में नगर निगम महापौर चन्द्र सिंह कोठारी, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ सिहाग, पर्यटन विभाग से सुमिता सरोच, पीडब्ल्यूडी से पीके सुखवाल सहित एनसीपीइडी के कई सदस्य शामिल हुए। निगम आयुक्त सिहाग ने बताया कि स्मार्ट सिटी के नए कामों में भी यह शर्त जोड़ी जाएगी। एनसीपी ईडी के निदेशक जावेद आबिदी और सुवर्णा राज ने बताया कि यह उदयपुर का यह मॉडल देशभर के लिए एक मिसाल के तौर पर बन सकता है।

भामाशाह जानू का सम्मान

झुंझुनूं। राजस्थान दिव्यांग सेवा संस्थान द्वारा आयोजित ईद स्नेह मिलन में भामाशाह शिवकरण जानू का सम्मान किया गया। संस्थान के महामंत्री हरचंद सिंह महला ने बताया कि इस अवसर पर वयोवृद्ध समाजसेवी डॉ. जे.सी.जैन का 83वां जन्मदिवस सेवा रूप में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता लायन नरेन्द्र व्यास ने की। विशिष्ट अतिथियों में समाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक पवन पूनिया सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे। इस अवसर पर जरूरतमंद दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित किए गए।

हिप्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा में दिव्यांग बेटी ने सामान्य वर्ग में पाया पहला स्थान

शिमला (विमं डेस्क)। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से हिंदी में पीएचडी कर रही विकलांग छात्रा डॉली राणा ने राज्य लोक सेवा आयोग की पीजीटी के परीक्षा में जनरल कोटे से सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया है। वह प्रारम्भ से ही मेधावी विद्यार्थी रही हैं और उन्होंने यूजीसी नेट जेआरएफ के अलावा प्रदेश का स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट (सैट) भी पास किया था। उमंग फाउंडेशन के अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार हिंदी विषय के पीजीटी के 40 पदों में विकलांगजनों के लिए आरक्षण का प्रावधान ही नहीं था। इसके बावजूद डॉली राणा ने कामयाबी पाई। उन्होंने कहा कि उसने विकलांगता को कमज़ोरी समझने की बजाए एक चुनौती के तौर स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि वह सभी कमज़ोर वर्गों के लिए प्रेरणा की स्रोत है। मंडी ज़िले की थुनाग तहसील के रहने वाली डॉली राज्य की डिसेबल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन (डीएसए) की संचालन समिति की सदस्य भी है। उनका लक्ष्य पीएचडी पूरी करके प्रोफेसर बनना है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने पति दीपक राणा को दिया जिन्होंने विवाह के बाद उच्च स्तरीय शिक्षा के लिए न सिर्फ प्रेरित किया बल्कि हर प्रकार से सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षकों ने भी उन्हें हमेशा कुछ अच्छा करने की प्रेरणा दी।

वाटर कूलर और ईसीजी मशीन का लोकार्पण

जयपुर (कासं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री कालीचरण सराफऔर राज्य महिला आयोग अध्यक्ष सुमन शर्मा ने मालवीय नगर सेक्टर 6 स्थित सरकारी डिस्पेंसरी में वाटर कूलर और ईसीजी मशीन का लोकार्पण किया। अमृत ग्रुप के राजन सरदार की ओर से सरकारी डिस्पेंसरी में आने वाले रोगियों और उनके परिजनों के लिए ये सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं। इस मौके पर रामपाल जैन और मंगल मीणा समेत कई लोग मौजूद रहे।

फिलिप्स इंडिया की व्हील्स इंटेलीसफारी

जयपुर (कासं)। फिलिप्स इंडिया ने जयपुर में इनटेलीसफारी का अनावरण किया। खासतौर पर डिजाइन की गई यह मोबाइल वेन हास्पिटल ऑन व्हील की तरह है जिसमें हाई एंड पेशेंट मॉनिटरिंग के साथ क्रिटिकल केयर इक्विपमेंट का प्रदर्शन किया गया है। जयपुर में इस वैन को कंपनी के पेशेंट केयर एंड मानिटरिंग साल्यूशंस तथा अल्ट्रासाउंड्स के सीनियर डायरेक्टर तथा बिजनेस हेड शंकर शेषाद्री ने रवाना किया। यह वेन एक माह प्रदेश के प्रमुख शहरों में जाएगी।

जानकी ने सात समुंदर पार लहराया परचम

जबलपुर (विमं डेस्क)। जन्म से दोनों आंखों से न देख पाने वाली बेटी को उसके पैरों पर खड़े देखने की ख्वाहिश, हर पल मन में मां जैसी प्रीत को लिए हुए मेहनत मजदूरी के साथ बेटी को साहस देकर जज्बा बढ़ाने वाले पिता के इस प्रयास का ही प्रतिफल है कि आज जबलपुर जिले के सिहोरा नगर सपीप स्थित छोटे से गांव कुर्रे की बेटी जानकी पूरे देश को गर्व करने का

अवसर दिया है। आज पूरा विश्व फादर्स डे मना रहा है। इस अवसर पर हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे एक पिता ने अपनी दिव्यांग बेटी को आर्थिक स्थिति कमजोर होने व गांव में पढ़ाई का स्तर कमजोर होने के कारण पढ़ा लिखा तो नहीं सका, लेकिन उसके मन में बच्चों को बड़ा इंसान बनाने की चाह रखकर उसके अरमानों को बुलंदी तक पहुंचाया। अब दिन वो आ गए हैं कि दिव्यांग जानकी पिता का हौसला बढ़ाने लगी है और पिता के अरमानों को सातवें आसमान तक पहुंचा रही है। जानकी एक ऐसी खिलाड़ी बनकर उभरी है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण और कांस्य पदक अपने नाम किए हैं।

और रच दिया इतिहास

जबलपुर जिले के ग्रामीण इलाके सिहोरा में रहने वाली बेटी ने ऐसा इतिहास रचा है, जिससे देश का नाम पूरे विश्व में हुआ है। इस दिव्यांग खिलाड़ी जानकी ने 21 से 29 मई तक ताशकंद में हुई एशियन ओसियाना जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिव्यांग वर्ग में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। जानकी नेशनल ब्लाइंड एंड डेफ जूडो चैंपियनशिप 2016 में रजत और 2017 में गोल्ड मैडल अपने नाम किया।

गरीबी नहीं आई आड़े

हम आपको बता दें कि जानकी के पिता मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। कुर्रे निवासी जानकी गोड़ 30 साल के पिता गरीबदास गौड़ के 4 सांतनें हैं। जानकी के दो भाई और एक बहन भी है। छोटी बहन शांति वह भी आंखों से दिव्यांग है। दोनों भाई मजदूरी करते हैं। जानकी की मां भी एक पैर से दिव्यांग है। जानकी तीसरी कक्षा तक पढ़ी हुई है। 2008 में तरुण संस्कार पोड़ा पहुंची। यह संस्था दिव्यांग बच्चों के लिए काम करती है। यहां पर दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने का काम हो रहा है। कुछ साल पहले 8-10 बच्चों के साथ जानकी इस संस्था में पहुंची और पढ़ाई करने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने के गुर सीखे। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से जूडो का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें जानकी ने महारथ हासिल की और हरियाणा में आयोजिन नेशनल प्रतियोगिता से जानकी को मंच मिला और उसने परचम लहराया।

शारीरिक लाचारी नहीं आती आड़े

खास बात तो यह है कि जीतने के जज्बे के आगे जानकी की शारीरिक लाचारी आड़े नहीं आ रही। जानकी ने अपनी कमजोरी को ही सबसे बड़ी ताकत बना लिया है। इस विपरीत परिस्थिति पर उसने अपने आप को खड़ा किया और ऐसे शिखर को पहुंची है जिससे देश की छाती भी चौड़ी हुई है। इसी लिए कहते हैं कि मजूबत इरादे और मन में अकल्पनीय सपने देखने की ताकत किसी भी व्यक्ति में हो सकती है। मन में कुछ कर गुजरने की तरंगें और किया गया परिश्रम हर इंसान को ऊंचाइयों पर पहुंचा देती है। और इसका जीता जागता उदाहरण पेश किया है जानकी ने। एशियन जूडो चैम्पियनशिप में जानकी ने परचम लहराकर साबित कर दिया कि सफलता हासिल करने की अदम्य इच्छाशक्ति से बढ़कर कुछ भी नहीं है। भारत की इस महान बेटी पर सभी को नाज है।

हर तरफ फहराया परचम

जानकी बचपन से ही नहीं देख पा रही है, लेकिन उसके मन की आंखों ने सात समुंदर पार अपनी सफलता को झांका और असंभव को संभव कर दिखाया है। इस बेटी की जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। सिहोरा की जानकी मप्र की पहली दिव्यांग और मूकबधिर जूडो खिलाड़ी बन चुकी है। जानकारी हर प्लेटफार्म पर खेलते हुए सफलता को चुमा है। जानकी रजत पदक, स्वर्ण पदक और एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर सिहोरा, जबलपुर, मध्यप्रदेश ही नहीं बल्कि भारत का मान बढ़ाया है।

दिव्यांग जनों को 11 लाख के कृत्रिम अंग और उपकरण दिए

चम्पावत (विमं डेस्क)। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम लिमिटेड की एडिप विशेष योजना के तहत जिला प्रशासन और कल्याणम करोति संस्था

के सहयोग से दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग और उपकरण प्रदान किए गए। शिविर में 144 लोग लाभान्वित हुए। रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुषमा फर्त्याल ने किया उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर के आयोजन से क्षेत्र के लोगों को एक छत पर सुविधाएं मिलती हैं। समाज कल्याण अधिकारी पीसी जोशी ने अधिक से अधिक जरूरतमंदों से शिविर का लाभ लेने की अपील की। शिविर में करीब 11 लाख रुपये कीमत के व्हील चेयर, सीपी चेयर बैशाखी, ब्रेल स्टीक, स्मार्ट केन, एलबो क्रच, हेयरिंग मशीन आदि वितरित किए। संस्था के निदेशक विपिन पांडेय ने बताया कि अगर लोगों का सहयोग मिलता रहे तो वह आगे भी जिले में शिविर का आयोजन करेंगे। इस मौके पर एसडीएम सीमा विश्वकर्मा, तहसीलदार नीलू चावला, डीके दिवाकर, शिव कुमार, चन्द्रशेखर जोशी, आशीष शुक्ला, शिव प्रसाद, दीपक गहतोड़ी, ललित खोलिया आदि मौजूद रहे।

सक्षम मनायेगा राष्ट्रीय नेत्रदान जागरण पखवाड़ा

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का आयाम सक्षम समदृष्टि, क्षमता विकास एवं अनुसंधान मंडल की बैठक जयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य महावीर उपाध्याय ने बताया कि 25 अगस्त से 8 सितम्बर 2017 तक राजस्थान के तीनों प्रान्तों में नेत्रदान जागरण

पखवाड़ा मनाया जायेगा। बैठक में इस कार्यक्रम हेतु सभी प्रान्तों में संयोजक बनाये गये।

राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य महावीर उपाध्याय ने बताया कि नेत्रदान जागरण पखवाड़ा के मध्य में नेत्र सुरक्षा हेतु भाषण, गोष्ठी, रैली, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला प्रतियोगिता व कार्निया अंधत्व मुक्त भारत अभियान जिला स्तरीय कार्यकर्ताओं द्वारा नेत्र रक्षक पत्रों को घर-घर पहुँचाया जायेगा। उन्होंने बताया कि सक्षम ने क्षमता विकास प्रशिक्षण वर्ग हेतु चार स्थानों पर (1) दृष्टिबाधित प्रकोष्ठ देहरादून में (2) श्रवणबाधित लखनऊ (3) बुद्धिबाधित सिकंदराबाद (4) अस्थिबाधित, कुष्ठबाधित नई दिल्ली में अक्टूबर माह में आयोजित करना तय किया गया है। इस प्रशिक्षण वर्ग हेतु जयपुर चित्तौड़, जोधपुर में दो-दो संयोजक बनाये गये है। कोटा नगर की बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि अंधत्व मुक्त भारत अभियान काम्बा को सफल बनाने हेतु कोटा में एक आई बैंक खोला जायेगा। इसके लिये डॉ. कुलवन्त गौड़ व डॉ. रामस्वरुप मालव को इसका संयोजक बनाया गया।

मुख्यमंत्री ने मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र की विकास पुस्तिका का विमोचन किया

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने मुख्यमंत्री निवास पर मालवीय नगर विधायक तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री कालीचरण सराफ द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र में करवाए गए विकास कार्यों पर आधारित पुस्तिका तीन साल बेमिसाल का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में हुए कार्यों एवं नवाचारों को वहां की जनता तक पहुंचाने में यह पुस्तिका काफी उपयोगी सिद्ध होगी। इस पुस्तिका में 3 साल में मालवीय नगर क्षेत्र में हुए विकास कार्यों के वार्ड वार विवरण और चिकित्सा क्षेत्र में हुए महत्वपूर्ण कार्यों की सचित्र जानकारी एवं उपलब्धियां प्रकाशित की गई हैं। इस अवसर पर राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती सुमन शर्मा भी उपस्थित रहीं।

लॉयंस क्लब जयपुर मैत्री ने अभियानों के जरिये जरुरतमंदों की मदद की

जयपुर (कासं)। लॉयंस क्लब जयपुर मैत्री की ओर से कैलेंडर वर्ष के प्रथम माह जुलाई में तीन बड़े अभियान पूरे कर समाज सेवा की मिसाल पेश की गई। अध्यक्ष लॉयन सुनीता भंडारी ने बताया कि प्रथम अभियान के तहत जवाहर सर्किल पर परींडे लगाए गए, दूसरे अभियान के तहत जयपुर जंक्शन पर ढाई सौ असहाय लोगों को भोजन खिलाया गया और तीसरे अभियान के तहत आंचल बालिका गृह में 3 से 18 वर्ष की के बच्चों को भोजन और आवश्यक सामग्री दी गई। क्लब सचिव गोमती अग्रवाल ने बताया कि सामग्री वितरण के दौरान क्लब के सदस्य और पंडित बालमुकुंदाचार्य भी मौजूद रहे।

दिव्यांगों ने जाने अपने अधिकार

झालावाड़ (वि)। विकलांग आंदोलन 2016 की 21 सूत्रीय माँग पत्र की राज्य सरकार अनदेखी कर रही है जबकि 16 जून 2016 को जयपुर में सचिवालय में राजस्थान सरकार ने लिखित में समझौता किया था। परंतु आज तक कोई बात को अमल में नही लाया गया।

इस हेतु झालावाड़ में जिलाध्यक्ष राम प्रकाश भील की अगुवाई में जीतमल की धर्मशाला बस स्टेण्ड पर महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें दिव्यांगों की पेंशन, बैकलोग भर्ती की गणना सहित कई योजनाओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर झालावाड़ जिले की आन्दोलन संघर्ष समिति की कार्यकारणी का गठन कर शपथ दिलाई जिसमें जिला संयोजक नासीर अली, सह संयोजक संतोष भील, जिला सचिव सांवत शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष रमेश चन्द मेघवाल, जिला संगठन मंत्री जगदीश रेगर, जिला प्रवक्ता मोहम्मद हुसैन, जिला सुचना मंत्री संगीता जांगीड, जिला प्रचार मंत्री दयाराम लोधा, जिला मिडिया प्रभारी महेश टेलर, जिला सांस्कृतिक मंत्री दुर्गा बाई रेगर, जिला व्यवस्था मंत्री गोविन्द टेण्डेल को नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक रतन लाल बैरवा, सुरेश चौधरी, रमेश एवं जिला विकलांग संघ के सदस्य हरिश मीणा, शिवा गुर्जर, बजरंग लाल गुर्जर, बृजमोहन वैष्णव, लक्ष्मी खजुरिया, सुगना बाई, उर्मीला वैष्णव, पुनम चन्द बारवाल, सियाराम नागर, देवेन्द्र कश्यप, इन्द्र सिह भील, राकेश कुमार, राम बाबु, रामचन्द्र सुमन, सत्तार भाई सहित कई सदस्य मौजूद थे।

सब्जी बेचकर बेटी को पाल रहा है दिव्यांग पिता

(विमं डेस्क)। हर लाडली अपने पिता की आंखों का तारा होती हैं। पिता और बेटी का ये अनोखा रिश्ता शायद ही शब्दों में बयान किया जा सकता है। हर पिता अपनी नन्ही सी गुड़िया के लिए कुछ भी कर सकने की चाह रखता है और उसकी खुशी के लिए कुछ भी हासिल कर सकता है।

आज हम आपको ऐसी ही एक कहानी बताने जा रहे है। दरअसल एक

मजबूर पिता को अपनी बेटी की ख्वाहिश पूरी करने में दो साल लग गए। आखिर क्या थी बेटी की ख्वाहिश और पिता को उसकी ख्वाहिश पूरी करने में दो साल क्यों लगे। आइये आपको बताते है।

जब बेटी सुमैया ने पिता से नई ड्रेस की ख्वाहिश की

बांग्लादेश के निवासी कवसर हुसैन एक हाथ से दिव्यांग हैं। एक हादसे में अपना एक हाथ गंवा चुके हैं। एक दिन उनकी सात साल की बेटी सुमैया ने उनसे नई ड्रेस की मांग की। कवसर सोच में पड़ गए। बेटी की ख्वाहिश पूरी करें तो कैसे।

एक तरफ बेटी का प्यार, दूसरी तरफ मजबूरी: छोटे-मोटे काम करके किसी तरह कवसर की जिंदगी कट रही थी। एक तरफ बेटी का प्यार और और दूसरी तरफ उनकी मंजबूरी उन्हें रोज परेशान करती। लेकिन कवसर ने ठान ली थी की बेटी के लिए ड्रेस खरीदना है। ऐसे में किसी तरह उन्होंने कुछ पैसे जुटाए और अपनी बेटी के लिए नई ड्रेस खरीदने की सोची। लेकिन इसके बाद जो कुछ भी हुआ वो पढ़कर आप भावुक हो जाएंगे। ये दिव्यांग बाप आज भी सब्जी बेचता है।

फोटोग्राफर से साझा की दिल छूने वाली कहानी

यहां हम आपको बता दें कि ये कहानी सोशल मीडिया पर वायरल है। इस कहानी को कवसर हुसैन एक फोटोग्राफर से साझा किया था। जिसके बाद जीएमबी आकाश नाम के फोटोग्राफर ने इस कहानी को अपने फेसबुक वॉल पर शेयर किया।

तो दुकानदार ने भिखारी समझकर भगा दिया

इस कहानी में आगे क्या हुआ चलिए आपको बताते है। आखिरकार कवसर ने दो साल तक मजदूरी करके बेटी के फ्रॉक के लिए पैसे जमा किए। नई ड्रेस खरीदने के लिए जब वो बेटी के साथ दुकान पर पहुंचे तो दुकानदार ने उसे भिखारी समझकर भगा दिया। आंसू पोंछते हुए पिता ने कहा, हां मैं भिखारी हूं। ये देख बेटी सौम्या से नहीं रहा गया और वो अपने पिता को दुकान से बाहर लेकर चली गई। पिता ने एक हाथ से आंसू पोंछते हुए बेटी से कहा, हां मैं भिखारी हूं।

पिता ने बेटी के आंसू पोंछे और वो ड्रेस खरीदी

इसी बीच बेटी सौम्या ने कवसर का हाथ पकड़ लिया और रोते हुए कहने लगी कि उसे यह ड्रेस नहीं खरीदनी। फिर कवसर ने अपने एक हाथ से बेटी सौम्या के आंसू पोंछे और फिर वो ड्रेस खरीदी।

आज ये पिता भिखारी नहीं

फोटोग्राफर जीएम आकाश से कवसर ने कहा किए आज ये पिता भिखारी नहीं, राजा है और उसकी ये लाडली राजकुमारी।

दिव्यांग विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम

धनबाद (वि)। स्टेट बैंक ऑफइंडिया, रीजनल आफिस द्वारा स्टेट बैंक डे के उपलक्ष्य में दिव्यांग बच्चों का विशेष विद्यालय जीवन ज्योति में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में बच्चों ने मुख्य अतिथि विम्लेन्दु विकास (क्षेत्रीय प्रबंधक, एसबीआई) को स्वनिर्मित बुके दे कर स्वागत किया। विद्यालय की प्राचार्या सुश्री अपर्णा दास ने सभी आगंतुकों को जीवन ज्योति विद्यालय के क्रियाकलापों की जानकारी देते हुए कहा कि जीवन ज्योति विगत 28 वर्षों से धनबाद में अपने नाम के अनुरूप दिव्यांग बच्चों के जीवन में शिक्षा का ज्योत जलाने का काम करती आ रही है। इस मौके पर विद्यालय के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी आगंतुकों का मन मोह लिया। विम्लेन्दु ने जीवन ज्योति के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जीवन ज्योति दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के कार्यों को पूरी तत्परता एवं नि:स्वार्थ भाव से कर रही है। उन्होंनो जीवन ज्योति विद्यालय को हर संभव मदद देने का भरोसा दिया। आज बैंक डे के अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से विद्यालय में अध्ययनरत 110 दिव्यांग बच्चों को उपहार स्वरूप स्कूल बैग, टिफिन बॉक्स, वाटर बॉटल, इंस्ट्रूमेंट बॉक्स एवं फूड पैकेट दिए गए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के निर्मल कुमार, शिशिर मोहन, मयंक शेखर, जे पी ठाकुर, उज्वल गोराई एवं धनबाद क्षेत्रीय कार्यालय के पदाधिकारीगण एवं जीवन ज्योति विद्यालय परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

नाहन में दिव्यांग खिलाड़ी सम्मानित

नाहन (वि)। सिरमौर जिला पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एसडीपीए) द्वारा नाहन में पैरा एथलीट सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नाहन भाजपा मंडल अध्यक्ष दीनदयाल वर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की, जबकि लाल ज्वेलर्स अशोक धीमान ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। इस दौरान सर्वप्रथम राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पैरा एथलीट, बैडमिंटन एवं ताई कवांडो में शानदान प्रदर्शन कर मेडल जीतने वाले जिला के दिव्यांग खिलाड़ियों वीरेंद्र सिंह, भुवनेश शर्मा, अमन ठाकुर, चमन लाल, नितिन, दिलावर, अमरा, निशा, सुमन, महेश, वीरेंद्र, राजेंद्र, सुरेंद्र आदि खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इससे पूर्व एसोसिएशन द्वारा नगरपालिका नाहन की अध्यक्षा अनीता शर्मा, ओम प्रकाश सैणी, संजय चौहान, रूपेंद्र सिंह ठाकुर व दिव्यांग खिलाड़ियों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया। ऑल इंडिया हैंडीकैप सर्विस सोसायटी नाहन के प्रभारी सुरेंद्र ठाकुर व कोषाध्यक्ष मनीष वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सीईओ सुरेंद्र कुमार, अध्यक्ष शक्ति चंद, महासचिव रोहित शर्मा, उपाध्यक्ष विरेंद्र, कोषाध्यक्ष मनोज ठाकुर, चमन, राजेंद्र आदि ने भी अपने संबोधन के दौरान दिव्यांग बच्चों का हौंसला बढ़ाया।

मऊ: दिव्यांग शिविर में 273 दिव्यांगों का हुआ पंजीकरण

मऊ (वि)। दो दिनों तक गोठा बाजार में लगा दिव्यांग शिविर मौसम की खराबी के बावजूद भी सफल रहा। कुल 273 दिव्यांगों को रजिस्ट्रेशन उपकरण के लिए कराया गया। चिकित्सक टीम के बिलम्ब से पहुंचने के कारण दिव्यांगों

का विकलांग प्रमाण पत्र नहीं मिल सका था। जिसके चलते प्रभारी सीएमओ एम लाल के प्रयास से डाक्टरों की टीम मंगलवार को शिविर स्थल पर पहुंची और आये हुये विकलांगों का परीक्षण किया और प्रमाण पत्र दिया।

शिविर के समय श्रवण राय के प्रयास से दिव्यांगों का पंजीकरण काफी हद तक सफल रहा। उनके द्वारा बताया गया कि आगामी महीने में पुन: पंजीकरण कराया जायेगा और कोशिश होगी कि कोई भी विकलांग केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना से वंचित न रह जाये। एडिप अधिकारियों द्वारा जो शिविर में व्यवस्था की उसके प्रति संतोष जताया और कहा कि जिले के विकलांगों को सुविधा देने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जायेगी। मंलवार को भी सैकड़ों दिव्यांग शिविर में रजिस्ट्रेशन कार्य में दिव्येन्दु राय हिमांशु राय ओमकार राय ने काफी मदद किया।

अब बिना किसी सहारे के व्हील चेयर में खड़े हो सकेंगे दिव्यांग

(विमं डेस्क)। अभी तक व्हील चेयर दिव्यांग लोगों के बैठने के काम आती थी लेकिन मुंबई के इंजीनियरिंग छात्र अभिजीत पाटिल ने ऐसी व्हील चेयर तैयार की है जिसमें दिव्यांग बिना किसी मदद के खड़े हो सकेंगे।

दरअसल मौजूदा व्हील चेयर में, खड़े होने की सुविधा नहीं होती है। यह व्हील चेयर बैटरी चालित है जिसमें चार पहियों वाला ड्राइवेग सिस्टम, सुविधानुसार ऊपर-नीचे करने के लिए अप-डाउन सिस्टम तथा इलेक्ट्रानिक नियंत्रण प्रणाली है।

जीबी पंत कृषि विवि के डॉ. ताराचंद ठाकुर, एसपी ध्यान और करुणा मुरमु ने बौने बैलों के लिए एक विशेष हल तैयार किया।

ऐसे उपकरणों की कमी के चलते बौने बैलों का इस्तेमाल नहीं होता था। यह हल के परंपरागत कार्य के अलावा आलू खुदाई के लिए भी उपयुक्त है। जूनागढ़ कृषि विवि के वैज्ञानिकों को फल सब्जियों के परिवहन के लिए तहदार डिब्बों के डिजाइन के लिए अवार्ड दिया गया है।

नवजात शिशुओं के लिए अपूर्व बलवानी और देवेंद्र जैन ने एक नियोनेटल कूलर तैयार किया है जो बिना बिजली के चलता है। यह बच्चों के शरीर के तापमान को 33-34 डिग्री के बीच नियंत्रित रखती है। ऐसी मशीनें विदेशों से आती हैं तो वह काफी महंगी होती है। दोनों युवाओं को इसके लिए पुरस्कृत किया गया है।

तीस सितम्बर तक दिव्यांग छात्रों के लिए छात्रवृति योजना का पंजीकरण

फरीदाबाद (जसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जिले में दिव्यांग छात्रों के लिए क्रमश: प्री.मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक तथा टॉप क्लास एजूकेशन छात्रवृति योजनाएं चलाई जा रही हैं।

उपायुक्त समीरपाल सरो ने यह जानकारी आज यहां देते हुए बताया कि इन योजनाओं के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 में छात्रवृतियों के आवेदन पत्र दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ऑनलाईन मांगे गए हैं। छात्रवृति के आवेदन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल वैबसाईट पर किये जाने हैं।

उन्होंने बताया कि इसके अन्तर्गत पंजीकरण की अन्तिम तिथि 1 जून से 30 सितम्बर तक शिक्षण संस्थान द्वारा सत्यापन 15 अक्तूबर तक, राज्य द्वारा सत्यापन 31 अक्तूबर तक किये जाने हैं। पोस्ट मैट्रिक स्कोलरशिप हेतु पंजीकरण की अन्तिम तिथि 1 जून से 31 अक्तूबर तक, शिक्षण संस्थान द्वारा सत्यापन 15 नवम्बर तक तथा राज्य द्वारा सत्यापन 30 नवम्बर तक की जानी है।

इसी क्रम में टॉप क्लास एजुकेशन हेतु पंजीकरण की तिथि 1 जून से 31 अक्तूबर तक, शिक्षण संस्थान द्वारा सत्यापन 15 नवम्बर तक तथा राज्य द्वारा सत्यापन 30 नवम्बर तक किये जाने हैं।

उपायुक्त ने उक्त योजनाओं के सम्बन्ध में पात्र युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे सम्बन्धित योजनाओं बारे जानकारी लेकर समय रहते अधिक से अधिक लाभ उठायें। अधिक जानकारी के लिए पात्र व्यक्ति लघु सचिवालय सैक्टर-12 स्थित कार्यालय जिला समाज कल्याण अधिकारी कमरा नं.-4 प्रथम तल पर सम्पर्क कर सकता है।

हर उम्र के दिव्यांगों को मिलेगी अब समान पेंशन

जयपुर (कासं)। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि प्राप्त करने वालों को अगस्त माह से बढी हुई राशि मिलेगी। इसके लिए विभाग द्वारा पूरी तैयारियां कर ली गई है। जुलाई माह की पेंशन अगस्त में बढ़कर मिलेगी। इसके तहत विधवा, परित्यक्ता और विकलांग की ही पेंशन बढ़ाई गई है। वृद्धावस्था पेंशन नहीं बढ़ाई गई है। ऐसे में वे विधवा महिलाएं जो वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रही हैं। उनके द्वारा विधवा पेंशन प्राप्ति के लिए आवेदन किए जा रहे है। फिलहाल इसे लेकर सरकार की ओर से गाइड लाइन जारी नहीं हुई है, इसलिए वृद्ध विधवा महिलाएं जो वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त कर रही हैं। उन्हें बढ़ी हुई पेंशन का लाभ फिलहाल नहीं मिल पाएगा।

पीएनबी का नेत्रहीन विद्यालय को सहयोग

जयपुर (कासं)। पंजाब नेशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुनील मेहता ने कहा है कि ग्राहक सेवा को ग्राहकों की अपेक्षा अनुसार श्रेष्ठ बनाना होगा। तभी हम प्रतिस्पर्धा में न केवल बने रह सकते हैं बल्कि नए कीर्तिमान भी स्थापित कर सकते हैं। वे अपने एक दिवसीय जयपुर दौरे के दौरान ग्राहक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान अंचल के व्यवसाय की समीक्षा बैठक में भी भाग लिया। पीएनबी प्रेरणा के बैनर तले गणगौरी बाजार स्थित दृष्टिबाधितों के स्कूल में सीएसआर के तहत दो स्केनर प्रिंटर पीएनबी प्रेरणा की अध्यक्षा डॉ. जयंती मेहता ने भेंट किए। अंचल प्रबंधक कल्पना गुप्ता, मंडल प्रमुख धर्मेश कुमार रावत और एजीएम आरके वशिष्ठ भी मौजूद थे।

जैन सोशल ग्रुप जनक ने किया कॉलेज में पौधरोपण

जयपुर (कासं)। जैन सोशल ग्रुप जनक की ओर से एसएस जैन सुबोध महिला कॉलेज सांगानेर परिसर में पौधरोपण अभियान चलाया गया, साथ ही रोपे गए पौधों के लिए रखरखाव की शपथ दिलाई गई। जैन सोशल ग्रुप जनक के संस्थापक अध्यक्ष विमलेश राणा ने बताया कि अभियान के दौरान ग्रुप की ओर से स्थानीय लोगों को 1000 पौधे भी बांटे गए।

सचिवालय में लगा एक्युप्रेशर शिविर

जयपुर (वि)। सचिवालय परिसर में अवेयर इंडिया नेशनल डेवलपमेंट की ओर से दो दिवसीय नि:शुल्क एक्युप्रेशर शिविर लगा कर अधिकारियों कर्मचारियों को योग मुद्रा एक्युप्रेशर की बारीकियां बताई गईं। संस्था फाउंडर डॉ. अंजलि स्वामी और डॉ. एस.बी.दवे ने बताया कि शिविर में विभिन्न रोगों का एक्युप्रेशर चुंबकीय चिकित्सा द्वारा उपचार किया गया।

भाजपा मीडिया संपर्क विभाग की टीम घोषित

जयपुर (वि)। भाजपा मीडिया संपर्क विभाग प्रमुख आनंद शर्मा ने कार्यकारिणी की घोषणा की है। प्रमोद वशिष्ठ, रमाकांत शर्मा सह प्रमुख होंगे। जगदीश धाणदिया जोधपुर संभाग प्रभारी, मोहित जैन अजमेर, अनिल चतुर्वेदी उदयपुर चंपालाल रामावत जयपुर संभाग प्रभारी होंगे। कार्यकारिणी सदस्यों में विरेंद्र शर्मा, रोहित यादव, गुंजन वशिष्ठ, विजय खेमानी, आशुतोष रावत, सुरेंद्र पूर्वाशी, शंकर सैनी, निवेदिता और बृजेंद्र शर्मा को शामिल किया गया है।

महिला कल्याण मण्डल ने मनाया 42 वां स्थापना दिवस

अजमेर (वि)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था का 42वां स्थापना दिवस बड़े धूम-धाम के साथ मनाया। इस कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र गहलोत, महापौर, नगर निगम अजमेर के व समाज सेवी सोमरत्न आर्य और संस्था संस्थापक सागरमल कौशिक ने माँ सरस्वती को माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर किया। निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया की संस्था ने 18 जुलाई 1975 से निरन्तर कार्य कर रही है एवं वर्तमान में 1000 हजार से ज्यादा दिव्यांग बच्चे संस्था से सेवाएं प्राप्त कर लाभ प्राप्त कर रहें है। संस्था को सामाजिक सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये संस्था को जी.आई.पी. फाऊडेशन द्वारा सोशल अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया। कौशिक ने महापौर से आग्रह किया गया कि स्मार्ट सिटी बनाने के दौरान दिव्यांग बच्चों से जुड़ी विशेष सुविधाओं का ध्यान उसमें रखा जाये एवं जो निर्माण कार्य वो बाधा मुक्त वातावरण (डिसएबेल्ड फ्रिन्डेली) बने ताकि दिव्यांगजन भी स्मार्ट सिटी का हिस्सा बन सकें।

प्राणी कल्याण कार्यों के लिये कमल लोचन सम्मानित

जयपुर (वि)। प्राणी कल्याण कार्यों एवम् शाकाहार के प्रचार-प्रसार के लिये समर्पण संस्था द्वारा कमल लोचन को समर्पण गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। समर्पण संस्था के संस्थापक अध्यक्ष दौलत राम माल्या ने मालवीय

नगर स्थित प्राकृत भारती अकादमी कैम्पस में आयोजित एक समारोह में प्राणी कल्याण कार्यों के लिये कमल लोचन को सम्मानित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि मूक प्राणियों की सेवा के काम से बढ़कर अन्य कोई कार्य नहीं है। उन्होंने अपने उद्बोधन में समर्पण संस्था की गतिविधियों एवं सेवा कार्यों के विषय में भी जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर ए. के. ऋषि, ललित दुग्गड़, ऋतु लोचन, पदम कुमार जैन, दर्शन शर्मा, ईश्वर दास सहित संस्था के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

आर.एस.एल.डी.सी. का नारायण सेवा में दिव्यांगों के लिए रोजगार प्रशिक्षण शुरु

उदयपुर (वि)। नारायण सेवा संस्थान में विश्व युवा कौशल दिवस पर दिव्यांगजन के लिए राजस्थान आजीविका कौशल विकास निगम की ओर से नि:शुल्क 'हॉस्पीटीलिटी इन होटल एण्ड गेस्ट हाउस' प्रशिक्षण आरंभ किया गया। जिसका उद्घाटन थूर ग्राम पंचायत की सरपंच जमनादेवी व राजस्थान अजीविका कौशल विकास निगम के जिला प्रबंधक आशीष अजमेरा ने किया। उन्होंने बताया कि निगम की ओर से प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर स्वरोजगार के लिए 175 तरह के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। इस अवसर पर निगम के सी.ओ प्रकाश सरगरा ने भी विचार व्यक्त करते हुए बेरोजगार युवाओं को अपनी रुचि के अनुसार प्रशिक्षणों से जुड़ने का आग्रह किया, ताकि प्रधानमंत्री के 'स्किल इण्डिया' स्वप्न को साकार किया जा सके।

पोदार मूक बधिर विद्यालय में

जश्न-ए-बहार 2017 का आयोजन

राजकीय सेठ राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोदार मूक बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर का शिक्षा विभाग द्वारा जयपुर के सर्व श्रेष्ठ राजकीय विद्यालय के रुप में चयन होने पर हुआ आयोजन। टी. वी. आर्टिस्ट स्मिता बंसल व कबड्डी कोच राज नारायण ने कार्यक्रम में की शिरकत। प्रधानाचार्य महेष वाधवानी का किया सम्मान।

जयपुर (कासं)। राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोदार मूक बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जयपुर को शिक्षा विभाग द्वारा सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष्य में जश्न-ए-बहार -2017 व प्रवेश उत्सव का आयोजन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किया गया।

शाला प्रभारी डा. योगेन्द्र सिंह नरुका ने बताया कि कार्यक्रम में टी. वी. आर्टिस्ट स्मिता बंसल एवं ग्रुप द्वारा 200 जरुरतमंद मुक बधिर बच्चों को नि:शुल्क विद्यालय पोशाक का वितरण किया गया समाजसेवी श्रीमती निधि बैराठी द्वारा 700 मूक बधिर बच्चों को नि:शुल्क स्टेशनरी का वितरण किया गया। राज्य सरकार की ओर से कक्षा 9 की छात्राओं को नि:शुल्क साईकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय पुरस्कार हेतु चयन होने के उपलक्ष्य में अभिभावक संघ के द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश वाधवानी को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टी. वी. आर्टिस्ट स्मिता

बंसल कबड्डी कोच राज नारायण शर्मा, भामाशाह पी.पी. पारीक, श्रीमती निधि बैराठी, श्रीमती शशि बंसल, अभिभावक संघ के अध्यक्ष हरि सिंह बागडी, सचिव योगेन्द्र जोशी, कोषाध्यक्ष श्रीमती मीना अरोडा आदि रहें।

दिव्यांग खिलाड़ियों को नहीं मिल पा रहा सही मंच : अरुणिमा सिन्हा

लखनऊ (विमं डेस्क)। विश्व रिकार्डधारी महिला पर्वतारोही अरणिमा सिन्हा ने दिव्यांगों के लिये होने वाले राष्ट्रीय खेलों की जानकारी ना दिये जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन विशेष खिलाड़ियों को सही मंच नहीं मिल पा रहा है। बुलंद इरादों के बूते एवरेस्ट फतह कर दुनिया में साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति की नई मिसाल पेश करने वाली पद्मश्री अरणिमा ने राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स खेलों की जानकारी दिव्यांग खिलाड़ियों को ना दिये जाने का आरोप लगाते हुए कहा, जब ये खेल होते हैं तो दिव्यांग खिलाड़ियों को पता तक नहीं चल पाता। खिलाड़ियों का आना या ना आना अलग बात है। हमें कम से कम ई मेल के जरिये जानकारी तो मिलनी ही चाहिये। उन्होंने कहा, इस साल मार्च-अप्रैल में जयपुर में राष्ट्रीय पैराएथलेटिक्स खेल हुए थे, लेकिन मुझे इसकी जानकारी हाल में मिली। बहुत मुश्किल से यह पता लगा है कि अगले खेल अक्तूबर-नवम्बर में होंगे। इसी तरह राष्ट्रीय जूनियर पैराएथलेटिक्स खेल 11 जून को फरीदाबाद में हुए थे, इसकी भी जानकारी नहीं मिली। सच्चाई यह है कि दिव्यांग खिलाड़ियों को सही मंच नहीं मिल पा रहा है। इस पद्मश्री पर्वतारोही ने आरोप लगाया कि इन खेलों की जानकारी कुछ खास

खिलाड़ियों को ही दी जाती है। अरणिमा ने बताया कि उन्हें प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार से मदद की उम्मीद है। पहले वह उन्नाव में दिव्यांग अकादमी खोलना चाहती थी लेकिन लखनऊ से दूरी के मद्देनजर खिलाड़ियों को संभावित असुविधा को देखते हुए अब राजधानी के आसपास ही अकादमी खोलना चाहती हैं। अरणिमा ने बताया कि उन्होंने मोहनलालगंज मार्ग पर मेमोरा वायुसेना केन्द्र के पास ग्राम सभा की 16 एकड़ जमीन भी देखी है। वह चाहती हैं कि सरकार चाहे तो उन्हें पट्टे पर वह जमीन दे दे या फिर सर्किल दर पर उन्हें जमीन बेच दे। वह 16 एकड़ इसलिये चाहती हैं, क्योंकि अन्तरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से दिव्यांग अकादमी न्यूनतम 16 एकड़ के दायरे में होनी चाहिये। वर्ष 2011 में एक हादसे में अपना बायां पैर गंवाने के बाद मई 2013 में कृत्रिम पैर के सहारे एवरेस्ट छूने वाली इस पर्वतारोही ने कहा कि उनके पास अकादमी की पूरी परियोजना तैयार है और उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात के लिए समय मांगा है। उनसे मिलकर वह अपनी बात रखना चाहेंगी। उम्मीद है कि नई सरकार से उन्हें पूरा सहयोग मिलेगा और उन्होंने वित्तीय सहायता उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद भी जताई।

दिव्यांग फ्रेंडली होंगे पिक्चर हॉल व मॉल

लखनऊ (जसं)। राजधानी के सभी सिनेमाघरों और मॉल में दिव्यांगों के बैठने के लिए कुछ सीटें रिजर्व रखी जाएंगी। उनके लिए पार्किंग प्लेस में वील चेयर भी रखी जाएंगी। शहर के किसी भी सिनेमाघर या मॉल में दिव्यांगों के लिए फिलहाल ऐसी कोई सुविधा नहीं है। डीएम राजशेखर ने पब्लिक की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सभी सिनेमाघरों और मॉल में दिव्यांगों के लिए बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। डीएम ने पांच विभागों के अधिकारियों की संयुक्त टीम बनाकर सभी सिनेमाघरों और मॉल की जांच करवाने का निर्देश दिया है। जांच कमिटी को 30 जुलाई तक रिपोर्ट पेश करनी होगी। सूत्रों के

मुताबिक डीएम के निर्देशों का पालन न करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा, शहर के किसी भी सिनेमाघर या मॉल में दिव्यांगों के लिए आरक्षित सीटें नहीं होती हैं। न ही वे वील चेयर ले जा सकते हैं। हम सिनेमाघर और मॉल में यह व्यवस्था लागू करवा रहे हैं। बता दें कि लखनऊ में 80,000 के करीब दिव्यांग हैं और 18,135 दिव्यांग पेंशन पा रहे हैं।

ये है कोर्ट का निर्देश: डीएम ने दिव्यांगों की सुविधा के लिए कोर्ट के निर्देशों का भी जिक्र किया है। कोर्ट ने सभी पब्लिक प्लेस पर दिव्यांगों के लिए रैंप, वील चेयर सहित जरूरी इंतजाम करने का निर्देश दे रखा है। इनमें सरकारी और कॉरपोरेट ऑफिसों को भी शामिल किया गया है। ऐसा न होने पर डीएम को कार्रवाई का अधिकार दिया गया है।

केरल में विकलांग छात्रवृत्ति योजना

केरल के सामाजिक न्याय विभाग के साथ मिलकर केरल सरकार ने विकलांग छात्रों के लिए विकलांग छात्रवृत्ति योजना शुरू की है। इस योजना में सरकार स्कूलों, कॉलेजों और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों और तकनीकी प्रशिक्षण में भाग लेने वाले विकलांग छात्रों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है। इस योजना को शुरू करने के पीछे मुख्य उद्देश्य विकलांग लोगों को समर्थन और प्रोत्साहित करना है ताकि उन्हें शिक्षा प्राप्त करने और सामान्य जीवन जीने में सक्षम बनाया जा सके। सरकार का इरादा शैक्षिक और आर्थिक रूप से अक्षम लोगों को विकसित करना है।

आवेदक की वार्षिक परिवार की आय 36,000 रुपये से कम होनी चाहिए और पिछली परीक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले इस योजना के तहत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। अलग-अलग विकलांग व्यक्ति के लिए छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य ऐसी शिक्षा, तकनीकी या प्रोफेशनल प्रशिक्षण सुनिश्चित करके उनकी सहायता करना है जिससे उन्हें जीवित रहने और समाज में उपयोगी सदस्य बनने में मदद मिलेगी।

बिहार मुख्यमंत्री विकलांग सशक्तिकरण योजना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री विकलांग सशक्तिकरण योजना नामक एक नई योजना शुरू की है। यह योजना राज्य के विकलांग लोगों को शिक्षा, रोजगार और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गयी है। इस योजना के तहत सरकार ने राज्य के विकलांग लोगों के लिए विभिन्न लाभ और सुविधाएं प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री विकलांग सशक्तिकरण योजना के तहत बिहार राज्य सरकार राज्य के विकलांग लोगों के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करेगी।

इसके अलावा विकलांग लोगों को उनके दैनिक खर्च के लिए वित्तीय लाभ प्रदान किया गया। राज्य के विकलांग लोगों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस योजना के तहत सरकार विकलांग लोगों को शिक्षा प्रदान करने के साथ योजना के तहत राज्य के विकलांग लोगों को विकलांग प्रमाण पत्र प्रदान करेगा। विकलांग व्यक्तियों के लिए स्कूलों का निर्माण होगा। इस प्रमाण पत्र के माध्यम से विकलांग लोगों को नि:शुल्क बस सेवा, मुफ्त ट्रेन सेवा आदि के रूप में विभिन्न लाभ और सेवा मिल पाएंगी।

सरकार ने भी मुख्यमंत्री विकलांग सशक्तिकरण योजना के तहत बिहार के विकलांग लोगों को एड्स विकलांगता से मुक्ति प्रदान करेगा। राज्य के विकलांग लोगों को भी विभिन्न बैंकों से ऋण की सुविधा मिल जाएगी।